॥ जय श्री श्याम ॥

श्री श्याम चालीसा

Khatu Shyam Chalisa in Gujarati

दोहा

श्री गुरु चरणन ध्यान धर, सुमिरि सच्चिदानन्द।
श्याम चालीसा भजत हूँ, रच चौपाई छन्द॥

1
श्याम-श्याम भजि बारम्बारा।
सहज ही हो भवसागर पारा॥

2
इन सम देव न दूजा कोई।
दीन दयालु न दाता होई॥

3
भीमसुपुत्र अहिलवती जाया।
कहीं भीम का पौत्र कहाया॥

4
यह सब कथा सही कल्पान्तर।
तनिक न मानो इसमें अन्तर॥

5
बर्बरीक विष्णु अवतारा।
भक्तन हेतु मनुज तनु धारा॥

6
वसुदेव देवकी प्यारे।
यशुमति मैया नन्द दुलारे॥

7
मधुसूदन गोपाल मुरारी।
बृजकिशोर गोवर्धन धारी॥

8
सियाराम श्री हरि गोविन्दा।
दीनपाल श्री बाल मुकुन्दा॥

9
दामोदर रणछोड़ बिहारी।
नाथ द्वारिकाधीश खरारी॥

10
नरहरि रूप प्रहलद प्यारा।
खम्भ फारि हिरनाकुश मारा॥

11
राधा वल्लभ रुक्मिणी कंता।
गोपी बल्लभ कंस हनंता॥

12
मनमोहन चितचोर कहाये।
माखन चोरि-चोरि कर खाये॥

13
मुरलीधर यदुपति घनश्यामा।
कृष्ण पतितपावन अभिरामा॥

14
मायापति लक्ष्मीपति ईसा।
पुरुषोत्तम केशव जगदीशा॥

15
विश्वपति त्रिभुवन उजियारा।
दीनबन्धु भक्तन रखवारा॥

16
प्रभु का भेद न कोई पाया।
शेष महेश थके मुनिराया॥

17
नारद शारद ऋषि योगिन्दर।
श्याम-श्याम सब रटत निरन्तर॥

18
कवि कोविद करि सके न गिनन्ता।
नाम अपार अथाह अनन्ता॥

19
हर सृष्टि हर युग में भाई।
ले अवतार भक्त सुखदाई॥

20
हृदय माँहि करि देखु विचारा।
श्याम भजे तो हो निस्तारा॥

21
कीर पढ़ावत गणिका तारी।
भीलनी की भक्ति बलिहारी॥

22
सती अहिल्या गौतम नारी।
भई श्रापवश शिला दुखारी॥

23
श्याम चरण रज चित लाई।
पहुँची पतिलोक में जाई॥

24
अजामिल अरु सदन कसाई।
नाम प्रताप परम गति पाई॥

25
जाके श्याम नाम अधारा।
सुख लहहि दुःख दूर हो सारा॥

26
श्याम सुलोचन है अति सुन्दर।
मोर मुकुट सिर तन पीताम्बर॥

27
ગલ વૈજયન્તી માલ સુહાઈ।
છવિ અનૂપ ભક્તન મન ભાઈ॥

28
શ્યામ-શ્યામ સુમિરહુ દિનરાતી।
શામ દુપહરિ અરુ પરભાતી॥

29
શ્યામ સારથી જિસ રથ કે।
રોડ઼ે દૂર હોય ઉસ પથ કે॥

30
શ્યામ ભક્ત ન કહીં પર હારા।
ભીર પરિ તબ શ્યામ પુકારા॥

31
રસના શ્યામ નામ રસ પી લે।
જી લે શ્યામ નામ કે હાલે॥

32
સંસારી સુખ ભોગ મિલેગા।
અન્ત શ્યામ સુખ યોગ મિલેગા॥

33
શ્યામ પ્રભુ હૈં તન કે કાલે।
મન કે ગોરે ભોલે-ભાલે॥

34
શ્યામ સંત ભક્તન હિતકારી।
રોગ દોષ અઘ નાશૈ ભારી॥

35
પ્રેમ સહિત જે નામ પુકારા।
ભક્ત લગત શ્યામ કો પ્યારા॥

36
ખાટૂ મેં હૈં મથુરાવાસી।
પારબ્રહ્મ પૂરણ અવિનાસી॥

37
સુધા તાન ભરિ મુરલી બજાઈ।
ચહું દિશિ નાના જહાઁ સુનિ પાઈ॥

38
વૃદ્ધ-બાલ જેતે નારિ-નર।
મુગ્ધ ભયે સુનિ વંશી કે સ્વર॥

39
દૌડ઼-દૌડ઼ પહુઁચે સબ જાઈ।
ખાટૂ મેં જહાઁ શ્યામ કન્હાઈ॥

40
જિસને શ્યામ સ્વરૂપ નિહારા।
ભવ ભય સે પાયા છુટકારા॥

દોહા
શ્યામ સલોને સાઁવરે, બર્બરીક તનુ ધાર।
ઇચ્છા પૂર્ણ ભક્ત કી, કરો ન લાઓ બાર॥

॥ जय श्री श्याम ॥ More on khatushyamchalisa.com

→ Read the meaning of every chaupai · हर चौपाई का अर्थ पढ़ें
→ Shyam Baba Aarti · श्याम बाबा की आरती
→ Khatu temple timings · खाटू मंदिर दर्शन समय

Scan to visit